शिक्षकों ने नहीं लगाई अतिरिक्त कक्षाएं कई को आदेश की जानकारी ही नहीं

एकीकृत माध्यमिक शाला कम्पाउंडरटोला निरीक्षण के दौरान खेलते मिले बच्चे

बालाघाट, देशबन्धु। कलेक्टर मृणाल मीना ने अंग्रेजी, गणित एवं हिन्दी विषयों में कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उनके निर्देश के बाद भी शिक्षक विद्यार्थियों की कक्षाएं लगाने नहीं पहुंचे। कई को इस आदेश की जानकारी ही नहीं थी। शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला कम्पाउंडरटोला में सोमवार को बैहर एसडीएम (आईएएस) अर्पित गुप्ता के निरीक्षण के दौरान यह मामला सामने आया।

एसडीएम गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान पाया कि एफ.एल.एन. कार्यक्रम के क्रियान्वयन में अनियमितताएं बरती जा रही है। आश्चर्यजनक रूप से उपस्थित शिक्षकों को कलेक्टर के आदेश की जानकारी तक नहीं थी, जिससे जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही भी उजागर हुई। निरीक्षण के समय विद्यार्थी भोजन अवकाश समाप्त होने के एक घंटे बाद भी खेल रहे थे। शिक्षक आपस में बातचीत कर रहे थे। इस पर एसडीएम ने नाराजगी जताई।

उन्होंने विकास खंड शिक्षा अधिकारी एवं बी.आर.सी. बैहर को कारण बताओ नोटिस जारी किया। शाला के आठ शिक्षकों को शैक्षणिक दायित्वों के प्रति लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोप में अलग-अलग कारण बताओ नोटिस जारी किए। संबंधित शिक्षकों के सोमवार के वेतन कटौती का प्रस्ताव भी किया है। एसडीएम गुप्ता की इस कार्रवाई के हडक़ंप मच गया है।

उमरिया में तेज बारिश से गेहूं की फसल बर्बाद, किसान चिंतित

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया में बुधवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। बूंदाबांदी के बाद तेज बारिश के कारण गेहूं की फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है, जिससे किसान चिंतित हैं। फसल कटाई में देरी और गेहूं का रंग फीका पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

पाली क्षेत्र में भी सुबह से हो रही बारिश- जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में बुधवार सुबह 5 बजे से बूंदाबांदी शुरू हुई, जो बाद में तेज बारिश में बदल गई। सुबह 8:30 बजे तक बारिश की तीव्रता और बढ़ गई। पाली क्षेत्र में भी सुबह से तेज बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण लोगों को घरों से निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा। दूध पहुंचाने वाले भी रेनकोट पहनकर अपने गंतव्य तक पहुंचे। मौसम में आए इस बदलाव से जिले में ठंडक बढ़ गई है। किसान बोले-बारिश से गेहूं की फसलों का रंग होगा खराब बारिश से किसान विशेष रूप से चिंतित हैं। किसान गुड्डा ने बताया कि इस बारिश से सभी फसलों पर असर पड़ेगा, खासकर गेहूं की फसल का रंग खराब हो जाएगा। इससे बाजार में गेहूं का सही भाव नहीं मिल पाएगा। सुबह से आसमान में बादल भी छाए हुए हैं। जिले में 8 अप्रैल को लगभग 3 घंटे में 2.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। तापमान में भी गिरावट आई है; जहां 7 अप्रैल को अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस था, वहीं 8 अप्रैल को यह 19.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अधिकारी रजनीश यादव के मुताबिक, जिले में बूंदाबांदी जारी रह सकती है।

पेड़ पर फंदे से लटका मिला 16 वर्षीय किशोर का शव

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल के केशवाही चौकी अंतर्गत कोटा गांव में एक 16 साल के किशोर का शव पेड़ से लटका मिला है। पुलिस ने इसे सुसाइड का मामला मानते हुए जांच शुरू कर दी है।

घर से थोड़ी दूर पेड़ पर मिला शव

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान मनीष सिंह गोड (16) पिता रामकुमार सिंह के रूप में हुई है। बुधवार सुबह उसका शव घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत में एक पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया। परिजनों ने खोजबीन के दौरान लटके देखा

बताया जा रहा है कि मनीष काफी देर तक घर नहीं लौटा था, जिसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान खेत में पेड़ पर उसका शव लटका देख परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने इस संबंध में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिजनों-पड़ोसियों के बयान दर्ज कर रही पुलिस

प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल अज्ञात कारणों के चलते किशोर द्वारा यह कदम उठाए जाने की बात सामने आ रही है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों के बयान दर्ज कर रही है।

सार-समाचार

31 गरीब छात्राओं को मिलेगा मैन्युफैक्चरिंग आईटीआई प्रशिक्षण

डिंडोरी, देशबन्धु। दरअसल जिला मुख्यालय से सरदारपुर धार में बुधवार को आर्थिक रूप से कमजोर डिंडोरी जिले की 31 छात्राओं को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धार दिव्यांशु चौधरी ने आईटीआई कौशल कॉलेज सरदारपुर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तकनीकी शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग (मध्यप्रदेश शासन) और पैन आईआईटी एलुमिनाई फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में परम फाउंडेशन की इस पहल से छात्राओं को एक वर्षीय मैन्युफैक्चरिंग आईटीआई कोर्स के बाद प्लेसमेंट नेटवर्क के जरिए रोजगार सुनिश्चित होगा।

डिंडोरी में आयोजित प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर चयनित ये छात्राएं धार बेंच-05 के आईटीआई कॉलेज में औद्योगिक प्रशिक्षण लेंगी। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक (एनआरएलएम) अर्पना पांडे, परम फाउंडेशन की युवा शाखा से मुस्कान, क्षेत्रीय समन्वयक राहुल रंजन सिंह, जिला समन्वयक नवीन चौहान, सहयोगी पार्टनर प्रदान संस्थान के सदस्य और छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे। क्षेत्रीय समन्वयक राहुल रंजन सिंह ने बताया, डिंडोरी, मंडला और बालाघाट की 100 से अधिक छात्राओं को अब तक इस पहल से प्रशिक्षण और रोजगार दिलाया जा चुका है। आने वाले समय में यह संख्या तेजी से बढ़ेगी, ताकि जनजातीय क्षेत्र की बेटियां आत्मनिर्भर बनें। परम फाउंडेशन की यह पहल आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की छात्राओं को कौशल विकास और रोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो मध्यप्रदेश सरकार की योजनाओं से प्रेरित है। वहीं यह है जिला पंचायत सि ई दिव्यांश चौधरी ने कहा कि ज़िले में बैरोजगार युवक युवतियों को उद्योग क्षेत्र में बेहतर परिणाम है इससे जुड़े और रोजगार से जुड़े लाभ प्राप्त करें।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को तीन साल की जेल

सीधी, देशबन्धु। एक नाबालिग किशोरी से घर में घुसकर छेड़छाड़ के आरोपी को जिला न्यायालय द्वारा 3 साल के कठोर कारावास का आदेश सुनाया गया। अभियोजन के अनुसार 22 मार्च 2024 को पीड़िता किशोरी द्वारा थाना चुरहट में इस आशय

का लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदन में कहा गया कि 21 मार्च 2024 को रात करीब 7 बजे वह अपने घर पर थी। घर पर उसके माता-पिता नहीं थे। इसी दौरान आरोपी ग्राम चदैनिया, थाना चुरहट निवासी अनूप गुप्ता हाथ में लोहे की रॉड लेकर उसके घर में घुसा और जबरन पीड़िता का हाथ पकड़ कर उसके साथ छेड़छाड़ की।

पीड़िता के शोर मचाने पर आरोपी ने उसे लोहे की रॉड से डराते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की चीख सुनकर घर से कुछ दूरी पर रहे माता पिता के घर पहुंचने पर आरोपी मौके से भाग निकला। पीड़िता ने पूरी बात अपने माता-पिता को बताई, जिसके बाद थाना चुरहट में आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 458, 354, 354 (क), 506 एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 7/8 में पंजीबद्ध किया गया। मामले की संपूर्ण विवेचना के बाद अभियोग पत्र विशेष न्यायालय, पॉक्सो एक्ट सीधी में प्रस्तुत किया गया। सहायक निदेशक, अभियोजन सीधी राजकुमार रावत के निर्देशन में शासन की ओर से पैरवी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी प्रशांत कुमार पांडेय के द्वारा की गई, जिसके बाद न्यायालय द्वारा आरोपी अनूप गुप्ता पिता कमलेश गुप्ता, उम्र लगभग 22 वर्ष, निवासी ग्राम चदैनिया, थाना चुरहट, जिला-सीधी को बीएनएस की धारा 458, 506 भाग-2 एवं पॉक्सो एक्ट धारा 8 के तहत 3 वर्ष के कठोर कारावास एवं 2,500 रुपए के जुर्माने से दंडित किया गया।

सरकारी शराब दुकान की नई जगह शिफ्टिंग का विरोध

समर्थन में नपा अध्यक्ष

बालाघाट, देशबन्धु। सरकारी शराब दुकान मोती नगर को मोती नगर चौक के पास स्थित उद्यान के सामने शिफ्ट किया जा रहा है। इसकी जानकारी होते ही मंगलवार को सुबह से ही मोहल्लेवासियों ने मौके पर पहुंचकर विरोध शुरू कर दिया है। दुकान के सामने बड़ी संख्या में महिलाएं कुर्सी लगाकर बैठ गई। उनका कहना है कि किसी भी कीमत पर यहां दुकान नहीं खोलने दिया जाएगा।

कहा कि मोती नगर चौक वार्ड नंबर 24, 25, 32, 33 से लगा है। जिस जगह दुकान खोली जा रही है, वहां से चंद कदम दूर आईजी कार्यालय है। जहां दुकान खुल रही है उसके सामने उद्यान है। कुछ दूरी पर गर्ल्स छात्रावास व स्कूल है। प्रदर्शनकारियों ने दुकान के सामने हवन-पूजन किया। नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। शाम तक प्रदर्शन जारी था। इसको लेकर पुलिस की तैनाती की गई थी।

इसके पूर्व सुबह में मोहल्लेवासियों के विरोध की जानकारी के बाद जिला आबकारी अधिकारी अजीत इक्का, तहसीलदार सुनील वर्मा, कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धुमकेती मौके पर पहुंच गए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने।

सुरभी मोहल्ले की महिलाएं भी डटी

उधर सरकारी शराब दुकान मोती नगर को हटाने की मांग को लेकर एक अप्रेल से धरना-प्रदर्शन कर रही सुरभी मोहल्ले की महिलाएं मंगलवार को भी बैठी रही। उनका कहना है कि जब तक उक्त दुकान में ताला नहीं लगेगा उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। कहा कि लंबे समय से उनकी मांग के बाद प्रशासन दुकान हटाने की कार्रवाई कर रहा है, लेकिन जब तक पूरी तरह से दुकान यहां से नहीं हटेगा हम अपना प्रदर्शन खत्म नहीं करेंगे।

छतरपुर में केन-बेतवा लिंक परियोजना पर बवाल

ग्रामीणों का जनसंग्राम, दूसरे दिन भी काम ठप

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर में केन-बेतवा लिंक परियोजना के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। आदिवासी, किसान और ग्रामीण ढोढन बांध स्थल पर धरने पर बैठकर निर्माण कार्य रुकवा रहे हैं। प्रशासन द्वारा दिल्ली जाने से रोकने के बाद आंदोलन और उग्र हो गया है।

सूखे बुंदेलखंड की प्यास बुझाने के इरादे से शुरू हुई 44 हजार करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी 'केन-बेतवा लिंक परियोजना' अब भारी विरोध के भंवर में फंस गई है। विस्थापन और अपनी मांगों को लेकर दिल्ली कूच कर रहे आदिवासी, किसानों और ग्रामीणों को जब प्रशासन ने रास्ते में रोका, तो उनका गुस्सा फूट पड़ा। उग्र हुए ग्रामीणों ने सीधे बांध निर्माण स्थल पर ही मोर्चा खोल दिया है, जिसके कारण पिछले दो दिनों से परियोजना का काम पूरी तरह बंद पड़ा है। बिजावर अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले ढोढन बांध स्थल पर हजारों की संख्या में आदिवासी, किसान और महिलाएं धरने पर बैठ गए हैं। प्रदर्शनकारियों का आक्रोश इतना अधिक था कि उन्होंने मौके पर चल रही भारी मशीनों के सामने खड़े होकर काम रुकवा दिया। इस आंदोलन की सबसे खास बात महिलाओं की भारी भागीदारी है, जो हाथों में तख्तियां लेकर 'जल, जंगल और जमीन' को बचाने के लिए हुंकार भर रही हैं।

शहडोल एसईसीएल खदान में ठेका मजदूर की मौत

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल जिले के सोहागपुर क्षेत्र स्थित एसईसीएल की बंगवार भूमिगत खदान में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां मेंटेनेंस कार्य के दौरान बिजली के पोल से गिरकर 43 वर्षीय एक ठेका मजदूर की मौत हो गई। संतुलन बिगड़ने से ऊंचाई से गिरा मजदूर मृतक की पहचान मोहे लाल सिंह निवासी डोंगरा टोला के रूप में हुई है। वह खान प्रबंधक कार्यालय के समीप लगे बिजली के पोल पर सुधार कार्य करने के लिए चढ़े थे। कार्य के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह सीधे नीचे आ गिरे, जिससे उनके सिर पर गंभीर चोट आई।

उपचार के दौरान निजी अस्पताल में तोड़ा दम- हादसे के तुरंत बाद प्रबंधन उन्हें केंद्रीय अस्पताल बुढ़ार ले गया। हालत नाजुक होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें शहडोल के एक निजी अस्पताल रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सुरक्षा उपकरणों के अभाव का आरोप मृतक के परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने ठेकेदार पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि मजदूरों से बिना किसी सुरक्षा किट और जरूरी उपकरणों के ऊंचाई पर काम कराया जा रहा था, जो हादसे का मुख्य कारण बना। धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह ने बताया- घटना की आधिकारिक सूचना अभी थाने तक नहीं पहुंची है। घायल की मौत निजी अस्पताल में हुई है। मर्ग डायरी प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ डिंडोरी में शिक्षकों का प्रदर्शनः सेवा अवधि गणना की भी मांग

डिंडोरी, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य बनाने के विरोध में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला डिंडोरी में मोर्चा पदाधिकारियों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल, राष्ट्रपति एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपा।

टीईटी छूट की मांग, पुराने आदेशों का हवाला-ज्ञापन में कहा गया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की 10 अगस्त 2010 अधिसूचना के तहत 3 सितंबर 2001 से पहले नियुक्त शिक्षकों, संविदा शाला शिक्षकों और 2011-14 के 'गुरुजी' संविदा शिक्षकों को टीईटी से छूट है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय भी इसको पुष्टि करते हैं।

फिर भी, लोक शिक्षण संचालनालय के 2 मार्च 2026 और जनजातीय कार्य विभाग के 26 मार्च 2026 के आदेश नॉन-टीईटी शिक्षकों को परीक्षा देने को बाध्य कर रहे हैं। मोर्चा ने इसे अधिसूचना व न्यायालय की भावना के विरुद्ध बताते हुए इन आदेशों को तत्काल निरस्त करने की मांग की। प्रदेश के डेढ़ लाख शिक्षक मानसिक तनाव में हैं।

सेवा अवधि गणना पर जोर, शिक्षकों ने एक और मांग उठाई-नवीन शैक्षणिक संवर्ग के शिक्षकों की सेवा अवधि प्रथम नियुक्ति तिथि से गणना हो। इससे पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण और पदोन्नति जैसे लाभ मिलेंगे। मोर्चा ने उम्मीद जताई कि सरकार संवेदनशीलता से जल्द सकारात्मक कदम उठाएगी। यह प्रदर्शन शिक्षकों की लंबे समय की लड़ाई का हिस्सा है।

तेन्दूखेड़ा सब डिवीजन में विभागीय अधिकारियों की अनुपस्थिति से जनता परेशान

लोक निर्माण विभाग में छह माह पूर्व सेवानिवृत्त अधिकारी की अब तक नही हटी नाम पट्टिका, कार्यालय की स्थिति चिंताजनक

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। नगर को लगभग 40 वर्ष पूर्व सबडिवीजन का दर्जा प्राप्त हुआ था। इस दौरान यहां विभिन्न शासकीय विभागों के कार्यालय एवं अधिकारियों के निवास हेतु भवनों का निर्माण भी किया गया, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके। किंतु वर्तमान स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, जहां कई प्रमुख विभागों के अधिकारी नियमित रूप से अपने कार्यालयों में उपस्थित नहीं रहते, जिससे आमजन को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

हाल ही में एक स्थानीय निरीक्षण के दौरान बुधवार को प्रातः लगभग 11:30 बजे विभिन्न विभागों के कार्यालयों का जायजा लिया गया। इस दौरान लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सेवा के कार्यालयों में अधिकारियों की कुर्सियां खाली पाई गईं। यह स्थिति कोई नई नहीं है, बल्कि लंबे समय से यही स्थिति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, इन विभागों के अधिकारी सप्ताह में एक या दो बार ही कार्यालय आते हैं, जबकि कई बार तो महीने में भी उनकी उपस्थिति नगण्य रहती है।

जब भी कोई विशेष बैठक आयोजित होती है या जिले के वरिष्ठ अधिकारियों का दौरा प्रस्तावित होता है, तब ये अधिकारी समय पर उपस्थित होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते नजर आते हैं। इसके विपरीत, नियमित दिनों में कार्यालयों की स्थिति उपेक्षित बनी रहती है। हालांकि एसडीएम एवं अन्य विभागों के अधिकारी अपने कार्यों का निर्वहन निरंतर कर रहे हैं, लेकिन इन चार विभागों की लापरवाही बनी हुई है।

लोक निर्माण विभाग की एसडीओ मनीषा मोगनिया, जो लगभग छह माह से यहां पदस्थ हैं, उनका नगर में आगमन बहुत कम होता है। हाल

ही में आयोजित एक विस्थापन बैठक में उनकी उपस्थिति दर्ज की गई थी, लेकिन सामान्य दिनों में उनका कार्यालय प्रायः खाली ही रहता है। आश्चर्यजनक बात यह भी है कि विभागीय भवन पर अब तक विभाग का नाम तक अंकित नहीं किया गया है, और पूर्व में पदस्थ एसडीओ बी.पी. खरे का नामपट्ट अभी भी यथावत है, जबकि वे सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

इसी प्रकार जल संसाधन विभाग में पदस्थ अधिकारी रामावतार पटेल की उपस्थिति माह में एक ,दो बार ही होता है। कर्मचारियों के अनुसार, अधिकारी प्रायः फील्ड में होने या अन्य कार्यों का हवाला देते हैं। वहीं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सेवा विभाग में पदस्थ एसडीओ शशिभूषण ठाकुर माह में केवल एक बार ही आते हैं जब जाओ सब मिलते ही नहीं है पूछने पर कर्मचारियों ने बताया कि तीन जगह का प्रभार हैं सब के पास ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों को बार-बार चक्कर लगाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों से मुलाकात नहीं हो पाती। कृषि विभाग की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है और इसका कार्योलय लगभग भगवान भरोसे संचालित हो रहा है। यहां जितने भी कर्मचारी पदस्थ है सब अपने को फील्ड पर बताते हैं।

अधिकारियों की लापरवाही का सीधा असर प्रशासनिक कार्यों एवं आमजन की समस्याओं के समाधान पर पड़ रहा है। स्थानीय जागरूक नागरिकों ने इस स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन से मांग की है कि संबंधित विभागों के अधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और कार्यप्रणाली में सुधार लाया जाए। यदि शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो जनता में असंतोष और अधिक बढ़ सकता है।